

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 28 अगस्त, 1987

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/140-87/34311.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० हाडा स्टील प्रोडक्ट्स लि०, सैक्टर 15-ए/3, फरीदाबाद, के प्रधान हाडा स्टील मिल्स कमेटी मार्फत फरीदाबाद कामगार यूनियन, 2/7, गोपी कलोनी, पुराना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 6 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं।

क्या हाडा स्टील प्रोडक्ट्स लि०, सैक्टर 15-ए/3, फरीदाबाद के प्रबन्धकों द्वारा संस्था को बन्द करने की कार्यवाही उचित है? यदि नहीं, तो निकाले गए श्रमिकगण किस राहत के हकदार हैं?

टी० डी० जोगपाल,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग।

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 8 सितम्बर, 1987

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/104-87/35426.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० नवयुग सैरामिक्स एण्ड पोटरीज, प्लॉट नं० 172, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राम सेवक, पुत्र श्री सलवन्त मार्फत नवयुग सैरामिक्स एण्ड पोटरीज इम्प्लॉईज यूनियन, जी-162, इन्द्रा नगर, सैक्टर 7, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है,

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री राम सेवक की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/104-87/35433.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० नवयुग सैरामिक्स एण्ड पोटरीज, प्लॉट नं० 172, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री प्रेम सागर, पुत्र श्री राम दास मार्फत नवयुग सैरामिक्स एण्ड पोटरीज इम्प्लॉईज यूनियन, जी-162, इन्द्रा नगर, सैक्टर 7, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री प्रेम सागर की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ओ० वि०/भिवानी/134-87/35440.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल का राय है कि मै० सीमेन्ट कारपोरेशन आफ इण्डिया लि०, चरखी दादरी सेमेंट यूनिट, चरखी दादरी (भिवानी) के श्रमिक श्री सज्जन सिंह, गांव ब डा० रेबासा, जिला भिवानी तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित है :—

क्या श्री सज्जन सिंह की सेवा समाप्ति/छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ओ. वि./एफ. डी./87-87/35447.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० न्यू इण्डिया कनड्यूट पार्सि प्रा० लि०, प्लॉट नं० 23, सेक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राम केवल, पुत्र श्री लालू मारपत हिन्दू मजदूर सभा, 29, गृहीद चौक, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं

क्या श्री राम, केवल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

आर० एस० अग्रवाल,

उप-सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम विभाग ।